(जुलाई–दिसम्बर 2020 से लागू)

एम०ए०, हिन्दी साहित्य, तृतीय सेमेस्टर

MHL-C311

प्राचीन एवं निर्गुण भक्ति काव्य

पूर्णांक 100 सत्रांत परीक्षा 70 अंक

क्रेडिट–6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम : (इकाई–1, 2 से व्याख्या)

इकाई–1

1. संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो – सम्पा० हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह, साहित्य भवन प्रा०लि०, इलाहाबाद
   शशिव्रता विवाह प्रस्ताव – आरम्भ से छन्द संख्या 50 तक।
2. विद्यापति पदावली – सम्पा० रामवृक्ष बेनीपुरी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
   पद संख्या – 3, 27, 35, 36, 40, 46, 51, 57, 153, 159, 179, 183, 187, 193, 196, 205, 231, 241, 250, 252 (20 पद)।

इकाई–2

3. कबीर ग्रन्थावली – सम्पा० डॉ० श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
   साखी – गुरुदेव कौ अंग, सुमिरण कौ अंग, विरह कौ अंग।
4. जायसी ग्रन्थावली – सम्पा० रामचन्द्र शुक्ल
   पदमावत – नागमती वियोग खण्ड।

इकाई–3 पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता, पृथ्वीराज रासो का महाकाव्यत्व, पृथ्वीराज रासो का काव्य–सौष्ठव, पृथ्वीराज रासो की भाषा।
विद्यापति पदावली में श्रृंगार एवं भक्ति, विद्यापति पदावली का वैशिष्ट्य, विद्यापति की गीति योजना, विद्यापति पदावली की भाषा।

इकाई–4 कबीर का समाज–दर्शन, कबीर की भक्ति–भावना, कबीर की काव्य कला, कबीर का रहस्यवाद।
पदमावत का महाकाव्यत्व, जायसी की प्रेम–भावना, नागमती का विरह वर्णन, जायसी का रहस्यवाद।

इकाई–5 **द्रुत पाठ** – द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि– (1) सरहपा (2) अब्दुर्रहमान (3) रैदास (4) गुरुनानक (इनके काव्य का सामान्य अध्ययन ही अपेक्षित है। इन पर दीर्घ उत्तरी प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे।)

संदर्भ ग्रन्थ :

1. चंदबरदायी और उनका काव्य – डॉ० विपिन बिहारी त्रिवेदी
2. विद्यापति – डॉ० आनन्द प्रकाश दीक्षित
3. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर की विचारधारा – गोविन्द त्रिगुणायत
5. जायसी ग्रन्थावली – सम्पा० आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (भूमिका भाग)
6. जायसी और उनका काव्य – डॉ० शिव सहाय पाठक
7. संदेश रासक (समीक्षा भाग) – सम्पा० हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ त्रिपाठी
8. संत रैदास : कृतित्व, जीवन और विचार – योगेन्द्र सिंह
9. युग प्रवर्तक संत गुरु रविदास – पृथ्वी सिंह आजाद